# राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्ष के स्नातक उपाधि हेतु निर्मित

## हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना

कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा आयोग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गठित समिति के सदस्यों ने प्राप्त संरचना के आधार पर समय-समय पर दिनांक 01.06.2022 को वर्च्युअल मीटिंग तथा कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा आयोग के कार्यालय में दिनांक 8.6.200 को ऑफ लाइन मीटिंग के माध्यम से हिंदी-पाठ्यक्रम की संरचना तैयार की है। जिसमें निम्नलिखित सदस्यों ने भागीदारी की।

| नाम तथा पता | | **हस्ताक्षर** |
|---|---|---|
| डॉ. प्रतिभा मुदलियार<br>प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, मैसुर विश्वविद्यालय, मैसूर-6 | **अध्यक्ष** | |
| डॉ. एस. के पवार<br>प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड-3 | **सदस्य** | |
| डॉ. शेखर<br>प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, बेंगलुर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु-56 | **सदस्य** | |
| डॉ. कांबले अशोक<br>प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर | **सदस्य** | |
| डॉ. परिमला अंबेकर<br>प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्याल. कलबुर्गी | **सदस्य** | |
| डॉ. नामदेव गौडा<br>प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर | **सदस्य** | |
| ड़ॉ. रामचंद्रप्पा के<br>प्राचार्य सुनिर्वसीटी आर्टस कॉलेज, तुमकुर | **सदस्य** | |
| डॉ नीता हिरेमठ<br>असो. प्रोफेसर, महारानी क्लस्टर युनिर्वसीटी, बेंगलुरु-1 | **सदस्य** | |

| | | |
|---|---|---|
| श्री असिफखान दाउद<br>असो. प्रोफेसर, श्री सिद्देश्वर गवर्नमेंट कॉलेज, नरगुंद | **सदस्य** | |
| श्री पद्मनाभ ए.वी.<br>असो. प्रोफेसर, जीएफजीसी, शिवमोगा | **सदस्य** | |
| श्री शिवराम पी<br>असो. प्रोफेसर,जीएफजीसी, कार स्ट्रीट, मंगलुर | **सदस्य** | |
| डॉ, प्रभु उपासे<br>असो. प्रोफेसर, गवर्नमेंट आर्टस कॉलेज, बेंगलुरु-1 | **सदस्य** | |
| डॉ. प्रसन्नकुमार के<br>विशेष अधिकारी, कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा परिषद | **समन्वयक** | |

**प्रस्तावना**

हिंदी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु गठित समिति इस पाठ्यक्रम की संरचना प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। इस समिति का सुझाव है कि पाठ्यक्रम को लागु करते समय और समिति द्वारा दिए गए सुझावों को अधिमान्य करते समय विश्वविद्यालयों, संस्थाओं और अन्य शिक्षण संस्थाओं सहित अध्यापकों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वैश्विक संदर्भों का इसमें समायोजन हो सके।

इस पाठ्यक्रम की संरचना ऐसी की गई है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी साहित्य का विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाए, उसकी सराहना कैसी की जाए और दिए गए पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाए ताकि विद्यार्थी भाषा और साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके। यह उल्लेखनीय है कि चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिंदी भाषा और साहित्य के  पाठ्यक्रम की विशिष्ट भूमिका है। प्रस्तावित पाठ्क्रम में हिंदी भाषा के तहत पांच स्ट्रीम्स बनायी गयी हैं जिससे विद्यार्थी अपने अनुशासन के अनुसार हिंदी भाषा का अध्ययन कर सके। साथ ही ओपन इलेक्टीव, स्किल डेवलेपमेंट और वोकेशनल कोर्सिस का भी निर्माण हिंदी में रोज़गार को ध्यान में रखकर किया गया है।  बी.ए (बेसिक तथा बी.ए. हॉनर्स में हिंदी भाषा और साहित्य के साथ साथ रोज़गार, प्रादेशिक साहित्य, लोक साहित्य आदि को भी सम्मिलित किया गाया है।  प्रस्तावित पाठ्यक्रम एक मॉडेल मात्र है। वर्तमान समय सूचना क्रांति का है। यह पाठ्यक्रम रोज़गारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा जिससे इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भी उचित ढंग से कर सके।

भारत बहुभाषा भाषी देश हैं। विविधता में एकता भारत की पहचान है। इस बात को ध्यान में रखते हुए भाषा एवं साहित्य की दृष्टि से पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। इसमें उल्लेखित पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकते हैं बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकते हैं। इसमें इस बात पर भी ध्यान रखा गया है कि यह पाठ्यक्रम रोज़गारपरक शिक्षा देने का भी कार्य करेगा। ताकि इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह कर सके।

इस ऑफलाइन बैठक में विशेष रूप से 3 तथा 4 सेमिस्टर के पाठ्यक्रम की चर्चा की गई और तदनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया है। प्रत्येक सेमीस्टक के शीर्षक तय करके संबंधित विश्वविद्यालयों को उसका पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी सोंप दी गयी है।

संलग्न पाठ्यक्रम का नमूना दिया गया है।

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

B.COM Ability Enhancement Compulsory Course

| Semester | AECC (L-3+T+1+P-0) | Credit (L+3+T-0+P-1) |
|---|---|---|
| I | हिंदी गद्य की विधाएँ + व्याकरण | 3 |
| II | कहानी संग्रह + मीडिया लेखन | 3 |
| III | कविता संग्रह+ सरकारी पत्राचार | 3 |
| IV | हिंदी नाटक + कंप्यूटर और हिंदी | 3 |

## Expected course out come

I Semester- **हिंदी गद्य की विधाएँ + व्याकरण**

- हिदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- गद्य के अध्ययन से रचनात्मक लेखन में रुचि उत्पन्न होगी।
- हिंदी व्याकरण के अध्ययन से हिंदी भाषा के शुद्ध स्वरूप को समझेंगे।
- भाषा कौशल का विकास होगा।
-

II Semester- **कहानी संग्रह + मीडिया लेखन**

- हिंदी कहानी के स्वरूप को समझने की योग्यता निर्माण होगी।
- कहानी लेखन और पठन में रुचि निर्माण होगी।
- सोशल मीडिया में लेखन में योग्यता प्राप्त होगी।
- मीडिया लेखन के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
-

III Semester- **कविता संग्रह+ सरकारी पत्राचार**

- हिंदी कविता के अंतर्भाव को समझने की कला का निर्माण होगा।
- हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
- हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
- सरकारी पत्र व्यवहार  को लिखने और समझने का ज्ञान प्राप्त होगा।

IV Semester- **हिंदी नाटक + कंप्यूटर और हिंदी**

- अभिनय में रुचि उत्पन्न होगी।
- नाटक मंचन में रुचि निर्माण होगी।
- कंप्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग समझ पायेंगे।

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## B.B.A. Ability Enhancement Compulsory Course/SEC

| Semester | AECC(L-3+T+1+P-0) | Credit (L-3+T-0+P-0) |
|---|---|---|
| I | हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण | 3 |
| II | हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी | 3 |
| III | हिंदी कविता + समाचार लेखन और रिपोर्टिंग | 3 |
| IV | हिंदी नाटक साहित्य + पत्रलेखन और आलेखन | 3 |

Expected Out Come

I Semester - **हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण**

- कहानी के पठन पाठन में रुचि उतपन्न होगी।
- कहानी के लेखन क्षमता का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- भाषा के प्रयोग में सक्षम होंगे।

II Semester - **हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी**

- हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- हिंदी के गद्यकारों से परिचित होंगे।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।

III Semester - **हिंदी कविता + समाचार लेखन और रिपोर्टिंग**

- भाषायी सौंदर्य क समझ निर्माण होगी।
- कविता लेखन और पठन में रुचि निर्ण होगी।
- समाचार पत्रों के लिए रिपोर्टींग करने की क्षमता का निर्माण होगा।
- समचार लेखन में सक्षम होंगे।

IV Semester- **हिंदी नाटक साहित्य + पत्रलेखन और आलेखन**

- नाटक के अभिनय में कौशल निर्माण होगा।
- नाटक के मंचन में रुचि निर्माण होगी
- पत्राचार लेखन की क्षमता निर्माण होगा
- कार्योलयी पत्रों के लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## Model Programme Structure for UG Programme

## B.C.A. : Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

| Semester | AECC | Credit | Marks |
|---|---|---|---|
| I | हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |
| II | हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |
| III | हिंदी कविता + कंप्यूटर अनुप्रयोग | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |
| IV | हिंदी नाटक साहित्य + अंतरजाल पर पत्रिकाएँ, चिट्ठा लेखन | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |

## Expected Course outcomes

### I Semester- हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी

1. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त करने का प्रयास होता है ।
2. छात्रों में पढ़ने की आदत का विकास होता है।
3. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
4. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
5. पत्र लेखन का स्वरूप समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।

### II Semester: हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
2. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माहोल निर्माण होता है ।

3. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के ज्ञान में वृद्धि होगी।

## III Semester- हिंदी कविता + कंप्यूटर अनुप्रयोग

1. कविता पढ़कर  स्वयं कविता रचने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
2. हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. संगणीय क्षेत्र में हिंदी की भूमिका से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

## IV Semester- हिंदी नाटक साहित्य + अंतरजाल पर पत्रिकाएँ, चिट्ठा लेखन

1. नाटक के तत्वों के आधार पर नाटक रचने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी नाटक साहित्य के इतिहास की पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं ।
3. अंतरजाल में हिंदी की पत्रिकाओं तथा और हिंदी में चिट्ठा लेखन का कौशल प्राप्त कर सकते हैं।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## Model Programme Structure for UG Programme

## B.S.C: Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

| Semester | AECC/ Credit -3 (L-3+T-0+P-0) | Marks<br>40 +60 =100 |
|---|---|---|
| I | हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी | 40 +60 =100 |
| II | हिंदी कविता + अनुवाद कौशल | 40 +60 =100 |
| III | हिंदी नाटक साहित्य+ संचार माध्यम और हिंदी | 40 +60 =100 |
| IV | हिंदी लघु उपन्यास + भाषा के विविध रूप ( कार्यालयी भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा) | 40 +60 =100 |

## Expected Course outcomes

### I Semester: हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी

1. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त करने का प्रयास होता है ।
2. छात्रों में पढने की आदत का विकास होता है।
3. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
4. व्याकरण से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

### II Semester: हिंदी कविता + अनुवाद कौशल

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
2. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माहोल निर्माण होता है ।
3. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के ज्ञान में वृद्धि होगी।

## III Semester: हिंदी नाटक  साहित्य+ संचार माध्यम और हिंदी

1. कविता पढ़कर  स्वयं कविता रचने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
2. हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. व्याकरण के नियम एवं प्रयोग समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
4. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वकृत्व कौशल प्राप्त करते हैं ।

## IV Semester:  हिंदी लघु उपन्यास +  भाषा के विविध रूप ( कार्यालयी भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा)

1. लघुउपन्यास के तत्वों के आधार पर लघु उपन्यास रचने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी उपन्यास साहित्य की पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं ।
3. व्याकरण के नियम एवं प्रयोग समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
4. जनसंचार के माध्यमों में हिंदी की भूमिका को समझ सकते है और हिंदी लेखन कला का विकास हो सकता है।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

B.A/ B. Music/B.SW/ B.F.A/ Ability Enhancement Compulsory Course

| Semester | AECC/ Credit- 3 (L-3+T-0+P-0) | Marks<br>40 +60 =100 |
|---|---|---|
| I | हिंदी कहानी साहित्य + हिंदी व्याकरण | |
| II | हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी | |
| III | हिंदी निबंध संग्रह/जीवनी/आत्मकथा +अनुवाद कला | |
| IV | हिंदी खंडकाव्य+ पत्रलेखन और आलेखन | |

## Expected Out come

### I Semester - हिंदी कहानी साहित्य + हिंदी व्याकरण

- भाषायी क्षमता का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति सजगता निर्माण होगी
- कहानी के पठन पाठन में रुचि उत्पन्न होगी।
- कहानी लेखन की क्षमता उत्पन्न होगी

### II Semester - हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी

- भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- हिंदी के व्यावहारिक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- रचनात्मकता में रुचि निर्माण होगी।

### III Semester- हिंदी निबंध संग्रह/जीवनी/आत्मकथा +अनुवाद कला

- हिंदी गद्य के विविध विधाओं से परिचिय होंगे।
- अनुवाद करने में सक्षम होगें।
- अनुवाद के द्वारा अपने रोज़गार को प्राप्त कर सकते हैं।

## IV Semester - हिंदी खंडकाव्य+ पत्रलेखन और आलेखन

- काव्य कला और भाषायी सौंदर्य के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- हिंदी में पत्र व्यवहार का ज्ञान प्राप्त होगा।
- कार्यालयी पत्र लिखने की क्षमता निर्माण होगी।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## Model Programme Structure for UG Programme

## Open Electives

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

For all the stream across the discipline

| Semester | Open Elective | Credit (L+3+T-0+P-0=3) | Marks 40+60=100 |
|---|---|---|---|
| I | संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य | 3 | |
| II | हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य | 3 | |
| III | अनुवाद कौशल / जीवनी या आत्मकथा साहित्य | 3 | |
| IV | सोशल मीडिया और हिंदी/ चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास | 3 | |

Expected Out come

### I Semester- संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

1. छात्रों में अंतर्निहित बोलने की कला का विकास होता है।
2. लिखने की कला में निपुणता हासिल होती है।
3. व्यक्तित्व का निरूपण संभाषण कला का आधार होता है, उस कला में विकास होता है।
4. छात्रों में पर्यावरण प्रदूषण के प्रति चेतना उत्पन्न होती हैं।
5. जल- जंगल के बचाव हेतु समर्पण की भावना का विकास होता हैं।
6. छात्र कविता को पढकर स्वंय कविता रचने की क्षमता प्राप्त कर सकता हैं।

### II Semester- हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रति रूची उत्पन्न होती है।
2. राष्ट्रीय चेतना से संपृक्त रचनाओं को पढकर देशभक्ति संबंधी गुणों का विकास होता है।
3. साहित्यकारों के जीवन सघर्ष से परिचित होना और स्वयं को हर परिस्थिति का सामना करने की क्षमता प्राप्त होती है।
4. भूमडंलिकरण संबंधी सही जानकारी प्राप्त कर सकते है।
5. वैश्विक स्तर पर होनेवाले परिवर्तनों को हासिल कर सकते है।

## III Semester- अनुवाद कौशल / जीवनी या आत्मकथा साहित्य

1. छात्रों में अनुवाद कौशल का विकास होता है।
2. अनुवाद कला द्वारा बेरोजगारी की समस्या से मुक्त हो सकते हैं।
3. विविध भाषाओं के साहित्य में नीहित मूल उद्देश को जान सकते है।
4. चारों कौशलों का विकास होता है।
5. आधुनिक संदर्भ में विज्ञान एंव तकनीकि के महत्व को प्राप्त कर सकते हैं।
6. प्रमुख वैज्ञानिकों के जीवनी या आत्मकथा को पढकर स्वयं के व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं।

## IV Semester- सोशल मीडिया और हिंदी/ चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास

1. छात्र सोशल मीडिया के महत्व को जान सकेगें।
2. हिंदी भाषा के अध्ययन से अपने भविष्य का निर्माण कर सकेगें।
3. स्वयं के चरित्र निर्माण द्वारा समाज को विकास के पर अग्रसर कर सकेगें।
4. आदर्श समाज के स्थापना में स्वयं की भागीदारी को अंकित कर सकेगें।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## B.B.A. Ability Enhancement Compulsory Course/SEC

| Semester | AECC(L-3+T+1+P-0) | Credit (L-3+T-0+P-0) |
|---|---|---|
| I | हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण | 3 |
| II | हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी | 3 |
| III | हिंदी कविता + समाचार लेखन और रिपोर्टिंग | 3 |
| IV | हिंदी नाटक साहित्य + पत्रलेखन और आलेखन | 3 |

Expected Out Come

I Semester - **हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण**

- कहानी के पठन पाठन में रुचि उतपन्न होगी।
- कहानी के लेखन क्षमता का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- भाषा के प्रयोग में सक्षम होंगे।

II Semester - **हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी**

- हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- हिंदी के गद्यकारों से परिचित होंगे।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।

III Semester - **हिंदी कविता + समाचार लेखन और रिपोर्टिंग**

- भाषायी सौंदर्य क समझ निर्माण होगी।
- कविता लेखन और पठन में रुचि निर्ण होगी।
- समाचार पत्रों के लिए रिपोर्टिंग करने की क्षमता का निर्माण होगा।
- समचार लेखन में सक्षम होंगे।

IV Semester- **हिंदी नाटक साहित्य + पत्रलेखन और आलेखन**

- नाटक के अभिनय में कौशल निर्माण होगा।
- नाटक के मंचन में रुचि निर्माण होगी
- पत्राचार लेखन की क्षमता निर्माण होगा
- कार्योलयी पत्रों के लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## Model Programme Structure for UG Programme

## B.C.A. : Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

| Semester | AECC | Credit | Marks |
|---|---|---|---|
| I | हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |
| II | हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |
| III | हिंदी कविता + कंप्यूटर अनुप्रयोग | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |
| IV | हिंदी नाटक साहित्य + अंतरजाल पर पत्रिकाएँ, चिट्ठा लेखन | 3(L-3+T-0+P-0) | 40 +60 =100 |

## Expected Course outcomes

### I Semester- हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी

6. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त करने का प्रयास होता है ।
7. छात्रों में पढ़ने की आदत का विकास होता है।
8. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
9. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
10. पत्र लेखन का स्वरूप समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।

### II Semester: हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी

5. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।

6. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माहोल निर्माण होता है ।
7. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी के ज्ञान में वृद्धि होगी।

## III Semester- हिंदी कविता + कंप्यूटर अनुप्रयोग

5. कविता पढ़कर  स्वयं कविता रचने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
6. हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
7. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
8. संगणीय क्षेत्र में हिंदी की भूमिका से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

## IV Semester- हिंदी नाटक साहित्य + अंतरजाल पर पत्रिकाएँ, चिट्ठा लेखन

4. नाटक के तत्वों के आधार पर नाटक रचने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
5. हिन्दी नाटक साहित्य के इतिहास की पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं ।
6. अंतरजाल में हिंदी की पत्रिकाओं तथा और हिंदी में चिट्ठा लेखन का कौशल प्राप्त कर सकते हैं।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## Model Programme Structure for UG Programme

## B.S.C: Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

| Semester | AECC/ Credit -3 (L-3+T-0+P-0) | Marks<br>40 +60 =100 |
|---|---|---|
| I | हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी | 40 +60 =100 |
| II | हिंदी कविता + अनुवाद कौशल | 40 +60 =100 |
| III | हिंदी नाटक साहित्य+ संचार माध्यम और हिंदी | 40 +60 =100 |
| IV | हिंदी लघु उपन्यास + भाषा के विविध रूप ( कार्यालयी भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा) | 40 +60 =100 |

## Expected Course outcomes

### I Semester: हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी

5. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त करने का प्रयास होता है ।
6. छात्रों में पढने की आदत का विकास होता है।
7. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
8. व्याकरण से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

### II Semester: हिंदी कविता + अनुवाद कौशल

5. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
6. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माहोल निर्माण होता है ।
7. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी के ज्ञान में वृद्धि होगी।

**III Semester: हिंदी नाटक  साहित्य+ संचार माध्यम और हिंदी**

5. कविता पढ़कर  स्वयं कविता रचने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
6. हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
7. व्याकरण के नियम एवं प्रयोग समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
8. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वकृत्व कौशल प्राप्त करते हैं ।

**IV Semester:  हिंदी लघु उपन्यास +  भाषा के विविध रूप ( कार्यालयी भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा)**

5. लघुउपन्यास के तत्वों के आधार पर लघु उपन्यास रचने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
6. हिन्दी उपन्यास साहित्य की पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं ।
7. व्याकरण के नियम एवं प्रयोग समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
8. जनसंचार के माध्यमों में हिंदी की भूमिका को समझ सकते है और हिंदी लेखन कला का विकास हो सकता है।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

B.A/ B. Music/B.SW/ B.F.A/ Ability Enhancement Compulsory Course

| Semester | AECC/ Credit- 3 (L-3+T-0+P-0) | Marks 40+60=100 |
|---|---|---|
| I | हिंदी कहानी साहित्य + हिंदी व्याकरण | |
| II | हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी | |
| III | हिंदी निबंध संग्रह/जीवनी/आत्मकथा +अनुवाद कला | |
| IV | हिंदी खंडकाव्य+ पत्रलेखन और आलेखन | |

## Expected Out come

### I Semester - हिंदी कहानी साहित्य + हिंदी व्याकरण

- भाषायी क्षमता का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति सजगता निर्माण होगी
- कहानी के पठन पाठन में रुचि उत्पन्न होगी।
- कहानी लेखन की क्षमता उत्पन्न होगी

### II Semester - हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी

- भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- हिंदी के व्यावहारिक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- रचनात्मकता में रुचि निर्माण होगी।

### III Semester- हिंदी निबंध संग्रह/जीवनी/आत्मकथा +अनुवाद कला

- हिंदी गद्य के विविध विधाओं से परिचिय होंगे।
- अनुवाद करने में सक्षम होगें।
- अनुवाद के द्वारा अपने रोज़गार को प्राप्त कर सकते हैं।

## IV Semester - हिंदी खंडकाव्य+ पत्रलेखन और आलेखन

- काव्य कला और भाषायी सौंदर्य के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- हिंदी में पत्र व्यवहार का ज्ञान प्राप्त होगा।
- कार्यालयी पत्र लिखने की क्षमता निर्माण होगी।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## Model Programme Structure for UG Programme

## Open Electives

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

For all the stream across the discipline

| Semester | Open Elective | Credit (L+3+T-0+P-0=3) | Marks 40+60=100 |
|---|---|---|---|
| I | संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य | 3 | |
| II | हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य | 3 | |
| III | अनुवाद कौशल / जीवनी या आत्मकथा साहित्य | 3 | |
| IV | सोशल मीडिया और हिंदी/ चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास | 3 | |

Expected Out come

### I Semester- संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

7. छात्रों में अंतर्निहित बोलने की कला का विकास होता है।
8. लिखने की कला में निपुणता हासिल होती है।
9. व्यक्तित्व का निरूपण संभाषण कला का आधार होता है, उस कला में विकास होता है।
10. छात्रों में पर्यावरण प्रदूषण के प्रति चेतना उत्पन्न होती हैं।
11. जल- जंगल के बचाव हेतु समर्पण की भावना का विकास होता हैं।
12. छात्र कविता को पढकर स्वंय कविता रचने की क्षमता प्राप्त कर सकता हैं।

## II Semester- हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य

6. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रति रूची उत्पन्न होती है।
7. राष्ट्रीय चेतना से संपृक्त रचनाओं को पढकर देशभक्ति संबंधी गुणों का विकास होता है।
8. साहित्यकारों के जीवन सघर्ष से परिचित होना और स्वयं को हर परिस्थिति का सामना करने की क्षमता प्राप्त होती है।
9. भूमडंलिकरण संबंधी सही जानकारी प्राप्त कर सकते है।
10. वैश्विक स्तर पर होनेवाले परिवर्तनों को हासिल कर सकते है।

## III Semester- अनुवाद कौशल / जीवनी या आत्मकथा साहित्य

7. छात्रों में अनुवाद कौशल का विकास होता है।
8. अनुवाद कला द्वारा बेरोजगारी की समस्या से मुक्त हो सकते हैं।
9. विविध भाषाओं के साहित्य में नीहित मूल उद्देश को जान सकते है।
10. चारों कौशलों का विकास होता है।
11. आधुनिक संदर्भ में विज्ञान एंव तकनीकि के महत्व को प्राप्त कर सकते हैं।
12. प्रमुख वैज्ञानिकों के जीवनी या आत्मकथा को पढकर स्वयं के व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं।

## IV Semester- सोशल मीडिया और हिंदी/ चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास

5. छात्र सोशल मीडिया के महत्व को जान सकेगें।
6. हिंदी भाषा के अध्ययन से अपने भविष्य का निर्माण कर सकेगें।
7. स्वयं के चरित्र निर्माण द्वारा समाज को विकास के पर अग्रसर कर सकेगें।
8. आदर्श समाज के स्थापना में स्वयं की भागीदारी को अंकित कर सकेगें।

**********

# चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा /साहित्य का अध्ययन

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Curriculum Structure for

B.A (Basic/Honours)

Discipline (Core) DSC / Discipline Elective (DSE)

For Subject without Practical

| Sem. | Discipline (Core) | Credit-3<br>(L-3+T-0+P-0) | Marks<br>40+60=100 | |
|---|---|---|---|---|
| I | Discipline (Core) A1 /B1<br>कथा साहित्य | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| | Discipline (Core) A2/B2<br>हिंदी व्याकरण | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| II | Discipline (Core) A3/B3<br>आधुनिक हिंदी काव्य | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| | Discipline (Core) A4 /B4<br>प्रयोजनमूलक हिंदी | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| **Exit Option with certificate** | | | | |
| III | Discipline (Core) A5 /B5<br>हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल) | 3 Credit<br>Matks-<br>70+30=100 | | |
| | Discipline (Core) A6/B6<br>नाटक तथा रंगमंच ( एक नाटक और एकांकी संग्रह) | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| IV | Discipline (Core) A7 /B7<br>हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| | Discipline (Core) A8 /B8<br>हिंदी साहिंत्यिक निबंध | 3 Credit<br>Marks-70+30=100 | | |
| **Exit Option with Diploma** | | | | |

## B.A I Semester-

DSC- A1 कथा साहित्य

- साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना।
- कहानी में निहित भावों, विचारों, नैतिक मूल्यों को ग्रहण करने की क्षमता विकसित करना।
- सृजनात्मक शक्ति का विकास करना।
- शब्द, सूक्ति, मुहावरें आदि के भंडार को समृद्ध करना।
- अंदाजा लगाने की क्षमता का विकास करना ।
- एकाग्रता को विकसित करना।
- कहानी की रचनाशीलता का विकास करना ।
- कल्पना और स्मरण शक्ति का विकास करना।

DSC A 2 हिंदी व्याकरण

व्याकरण की शिक्षा,भाषा की शिक्षा का आवश्यक अंग है। यह भाषा रूपी रथ का सारथी है। यह भाषा का स्वरूप बनाता है एवं उस पर नियंत्रण रखता है। यह भाषा का मित्र भी है। यह उसे सच्चे रास्ते पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है।

- विद्यार्थियों को विविध ध्वनियों का ज्ञान देना।
- व्याकरण के द्वारा विद्यार्थियों में रचना एवं सृजनात्मक प्रवृत्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों को शुद्ध भाषा का प्रयोग सिखाना।
- विद्यार्थियों में ऐसी क्षमता पैदा करना जिससे कि वे कम से कम शब्दों में शुद्धतापूर्वक अपने भावों को व्यक्त कर सकें। साथ ही उनमें ऐसी योग्यता पैदा करना जिससे वे भाषा की अशुद्धता को भी समझ सकें एवं उनमें भाषा को परखने की शक्ति का विकास हो सके।
- विद्यार्थियों को शुद्ध बोलने, लिखने एवं पढ़ने की प्रेरणा देना।
- विद्यार्थियों में ऐसी योग्यता पैदा करना जिससे कि वे भाषा की अशुद्धता को समझ सकें एवं उनमें भाषा को परखने की शक्ति विकसित हो सके।
- विद्यार्थियों को भाषा से संबंधित नियमों का ज्ञान प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को शुद्ध उच्चारण की शिक्षा प्रदान करना।
- व्याकरण की शिक्षा का उद्देश्य बालक को भाषा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने में प्रवीण बनाना होना चाहिए।

## B.A II Semester-

DSC- A3 हिंदी कविता

- कविता में रुचि उत्पन्न होगी।
- गति लय भावयुक्त वाचन की योग्यता उत्पन्न होगी।
- कल्पना शक्ति को उत्पन्न हो गी।
- सौंदर्यानुभूति की क्षमता का निर्माण होगा।
- रस छंद अलंकार से परिचित होंगे।
- विविध भावों से युक्त कविता को समीक्षात्मक दृष्टि का निर्माण होगा।

DSC-A4 **प्रयोजनमूलक हिंदी**

प्रयोजनमूलक हिंदी एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। भूमंडलिकरण के दौर में विश्व मंच पर हिंदी की मांग में आशातित वृद्धि हुई है अतः हिंदी केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि हर क्षेत्र चाहे वह सरकारी हो या कारपोरेट जगत  हो सभी क्षेत्रों में हिंदी की मांग बढ़ रही है। इस दृष्टि से प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम में है। जिसके अध्ययन से,

- प्रयोजनमूलक हिंदी का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रयोजनमूलक हिंदी और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे.
- प्रयोजनमूलक हिंदी की सैद्धान्तिक समझ निर्माण होगी।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विश्लेषण की क्षमता निर्माण होगी।
- हिंदी भाषा के विविध प्रयोजन से अवगत होंगे।
- संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रावधानों को समझ सकेंगे।

## B.A III Semester -

DSC- A5  **हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)**

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणातमक ज्ञान का निर्माण होगा।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।
- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्यकालीन परिस्थितियों की जानकारी मिलेगी।

- प्रत्येक काल के कवियों के व्यक्तित्व, कृतित्व और योगदान का ज्ञान प्राप्त होगा।

DSC- A 6 **नाटक तथा रंगमंच**

साहित्य की अन्य विधाओं में नाटक एक महत्त्वपूर्ण विधा है। जिसके माध्यम से न सिर्फ साहित्यिक अभिक्षमता का विकास होता है, बल्कि इस एक विधा से अन्याय विधाओं जैसे कविता, कहानी का कल्पना लोक भी जुडता है। नाटक की विषय वस्तु जहाँ एक तरफ कहानी-बुनने की कला में पारंगत करती है। इसके अध्ययन से,

- मौखिक वाचन और लेखनशक्ति का विकास होगा।
- भावनाओं का उदात्तिकरण और उनका व्यक्तित्व निर्माण में सहयोग मिलेगा।
- विवेक सम्पन्नता और भावनात्मक अभिव्यक्ति को सही दिशा और दृष्टि निर्माण होगी।
- नाटक की अभिनेयता से जुडकर साहित्य की अन्य विधाओं से ज्ञान अर्जित करेंगे।
- जीवन जगत तथा साहित्य के प्रति नवीन सौन्दर्यानुभूति उत्पन्न होगी।
- नैतिक मूल्यों के विस्तार से वैश्विक मूल्यों का निर्माण होगीय़
- जीवन दर्शन के प्रति नयी दृष्टि का निर्माण होगा।

## B.A IV Semester

DSC- A 7 **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

- आधिनिक हिंदी गद्य और पद्य की विकासक्रम का ज्ञान होगा।
- आधुनिक काल की विविध परिस्थितियों से परिचित होंगे।
- आधुनिक काल के विभिन्न आंदोलन के कारणों की समझ निर्माण होगी।
- आधुनिक काल के भिन्न भिन्न कवि, लेखकों, पत्रकारों का परिचय होगा।

DSC- A **8 साहित्यिक निबंध**

- निबंध साहित्य में के यादगान के बारे में जानकारी मिलेगी।
- निबंध की विभिन्न शैलियों की समझ विकसित होगी।
- निबंधों का विश्लेषणत्मक की समझ विकसित होगी।
- भाषिक तत्वों का ज्ञान मिलेगा।
- विशेष सामग्री का उल्लेख :-पाठ के अंतर्गत भाव विचारों का उल्लेख।
- विचार विश्लेषणात्मक अर्थ ग्रहण:- समीक्षात्मक दृष्टि से आवश्यक उद्देश्यों का उल्लेख।
- अभिव्यक्ति - प्रमुख भावों और विचारों को व्यक्त करने की योग्यता का विकास करना।